अध्याय I

परिचय

1.1 प्रतिवेदन के संबंध में

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सी. एण्ड ए. जी.) का यह प्रतिवेदन 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय (एम.ओ.डी.) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यू.) के वित्तीय संव्यवहार की अनुपालन लेखापरीक्षा से उजागर हुए मामले से संबंधित है।

यह अध्याय लेखापरीक्षा की योजना तथा सीमा के साथ-साथ इन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की रूपरेखा प्रदान करता है। अध्याय-II गार्डन रीच शिपबिल्डर्स तथा इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा पनडुब्बी रोधी युद्ध (ए.एस.डब्ल्यू.) कॉर्वेट के निर्माण तथा सुपुर्दगी की निष्पादन लेखापरीक्षा से उत्पन्न वर्तमान निष्कर्षों/अवलोकनों से संबंधित है तथा अध्याय-III मंत्रालय के आधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की अनुपालन लेखापरीक्षा द्वारा उत्पन्न व्यक्तिगत निष्कर्षों/ अवलोकनों से संबंधित है।

1.2 प्राधिकरण

नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के (डी.पी.सी.) अधिनियम 1971 की धारा 19-ए तथा भारतीय कंपनी अधिनियम, 2013 से संबंधित प्रावधानों के तहत नियंत्रक-महालेखापरीक्षक भारत सरकार के रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की लेखापरीक्षा करता है।

1.3 लेखापरीक्षा की योजना और संचालन

नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा घोषित निष्पादन लेखापरीक्षा निर्देशों तथा लेखापरीक्षा मानकों में अभिव्यक्त सिद्धांत और व्यवहार के अनुसरण में लेखापरीक्षा की गई है। लेखापरीक्षा प्रक्रिया सार्वजनिक उपक्रमों के जोखिम के आंकलन से प्रारंभ होती है। इस जोखिम के आकंलन के आधार पर लेखापरीक्षा की आवृत्ति तथा सीमा निर्धारित की जाती है।

1.4 लेखापरीक्षा संस्थाओं की रूपरेखा

रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन नौ सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम तथा तीन सहायक कंपनियाँ कार्य करती है। प्रत्येक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम का प्रमुख एक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक है।

मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों की संक्षेप में रूपरेखा को नीचे प्रस्तुत किया गया है।

1. हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड

हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल.) को रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन विभाग) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन अक्टूबर 1964 में निगमित किया गया था। भारत सरकार द्वारा 2007 मे कंपनी को 'नवरत्न' का दर्जा प्रदान किया गया। कंपनी के पाँच व्यवसाय समूह/कॉम्पलेक्स है, जैसे बैंगलूर कॉम्पलेक्स, मिग कॉम्पलेक्स एक्सेसरीज कॉम्पलेक्स, हेलिकॉप्टर कॉम्पलेक्स तथा डिजाइन कॉम्पलेक्स। वर्तमान में कंपनी एस.यू.-30 एम.के.-I, हॉक, डॉरनियर, एडवान्सड लाइट हेलिकॉप्टर, चीतल, लाइट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट - तेजस और संबंधित इंजन तथा एक्सेसरीज का उत्पादन करती है। कंपनी विभिन्न वायुयानों तथा हेलिकॉप्टरों के लिए इंजन तथा एक्सेसरीज को शामिल करते हुए मरम्मत तथा ओवरहॉल सेवाएं भी उपलब्ध कराती है। कंपनी का एक वृहत डिजाइन तथा विकास ढाँचा है तथा यह मध्यवर्ती जेट ट्रेनर, फिफ्थ जेनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट, मल्टी रोल ट्रान्सपोर्ट एयर क्राफ्ट, लाइट कॉम्बेट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर आदि के विकास मे कार्यरत है।

कंपनी ने ₹225.26 करोड़ के निवेश के साथ सॉफ्टवेयर विकास, उत्पादन सहायता, वैमानिकी के डिजाइन आदि के क्षेत्रों में 12 संयुक्त वेंचर किए है।

31 मार्च 2016 को कंपनी की प्राधिकृत पूँजी ₹600.00 करोड़ थी। प्रदत्त इक्विटी ₹361.50 करोड़ की थी जो पूर्ण रुप से भारत सरकार द्वारा धारण की गई थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹18498.28 करोड़ था तथा इस को ₹1653.77 करोड़ का लाभ हुआ।

2. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

अप्रैल 1954 में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बैंगलूरु रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार के संपूर्ण स्वामित्व वाले उपक्रम के रूप में इस उद्देश्य के साथ निगमित किया गया कि रक्षा तथा सिविल उपभोक्ताओं द्वारा आवश्यक राडारों, संचार उपकरणों, नौसैनिक प्रणालियों, प्रसारण उपकरण, दूरसंचार उपकरण, संयत्रों जैसे इलेक्टॉनिक उपकरण का डिजाइन, विकास, निर्माण तथा आपूर्ति की जाए। भारत सरकार ने 22-06-2007 को बी.ई.एल को 'नवरत्न' का दर्जा प्रदान किया। कंपनी की वर्तमान में नौ उत्पादन इकाईयाँ हैं जो बैंगलूरु, चेन्नई, हैदराबाद, मच्छलीपट्टनम पूणें, नवी मुम्बई, गाजियाबाद, कोटद्वारा तथा पंचकुला में स्थित है। कंपनी की एक संयुक्त वेंचर कंपनी (जे.वी.सी) है जैसे जी.ई-बी.ई प्राइवेट लिमिटेड तथा दो सहायक कंपनियाँ जैसे बी.ई.एल ऑपट्रोनिक डिवाइसेस लिमिटेड तथा बी.ई.एल. थेल्स सिस्टम लिमिटेड है।

31 मार्च 2016 को कंपनी की प्राधिकृत पूँजी ₹250.00 करोड़ रही। प्रदत्त इक्विटी ₹240.00 करोड़ थी जिस में ₹180.04 करोड़ (75.02 प्रतिशत) भारत सरकार द्वारा धारण की गई थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹7827.30 करोड़ रहा और इस पर ₹1357.67 करोड़ का लाभ प्राप्त हुआ।

2.1 बी.ई.एल ऑपट्रौनिक्स लिमिटेड (बी.ई.एल.-ओ.पी.)

बी.ई.एल. ऑपट्रानिक्स लिमिटेड (बी.ई.एल.-ओ.पी), पुणे भारत इलेक्ट्रॉनिकस लिमिटेड (बी.ई.एल) बैंगलूरू की पूर्ण रूप से धारण सहायक कंपनी है। कंपनी की स्थापना सेना, सुरक्षा तथा वाणिज्यिक प्रणालियों में उपयोग हेतु इमेज इंटेसीफायर ट्यूव के अनुसंधान, विकास और उत्पादन हेतु हुई है।

कंपनी की प्राधिकृत पूँजी ₹100.00 करोड़ थी तथा प्रदत पूँजी ₹37.83 करोड़ थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹121.51 करोड़ था तथा इसमें कंपनी को ₹2.43 करोड़ का लाभ हुआ।

2.2. बी.ई.एल. थेल्स सिस्टम्स लिमिटेड

बी.ई.एल. थेल्स सिस्टम (बी.टी.एस.एल.) को कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन लिमिटेड कंपनी के रूप में 28 अगस्त 2014 को भारत में निगमित किया। कंपनी बी.ई.एल. की एक सहायक कपंनी है। कंपनी को, कंपनी मामलों के मंत्रालय से अपने व्यापार को आरंभ करने हेतु 21 नंवबर 2014 को अनुमोदन प्राप्त हुआ है। कंपनी का प्राथमिक ध्यान रक्षा तथा सिविल राडारों का विकास, आपूर्ति तथा सहायता है।

कंपनी की प्राधिकृत पूँजी ₹80.00 करोड़ थी तथा प्रदत पूँजी ₹22.40 करोड़ थी जिसमें से ₹16.58 करोड़ भारत इलेक्टॉनिक्स लिमिटेड द्वारा धारण की गई थी। कंपनी का वाणिज्यिक संचालन अभी तक प्रारंभ गया है नही किया तथा उसे वर्ष 2015-16 के दौरान निर्धारित जमा पर ब्याज से ₹0.96 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। कंपनी को वर्ष 2015-16 में ₹2.47 करोड़ की हानि हुई।

3. बी.ई.एम.एल. लिमिटेड

भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को रेल कोच खनन उपकरण तथा अतिरिक्त पुर्जों के निर्माण के लिए एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में मई 1964 में निगमित किया गया तथा बाद में 2006 में बी.ई.एम.एल. लिमिटेड (कम्पनी) के रुप में पुनः नामित किया गया। कंपनी को अगस्त 2006 से मिनी रत्न वर्ग - I का दर्जा प्रदान किया गया।

कंपनी की एक सहायक कंपनी विज्ञान इंडस्ट्रीज लिमिटेड तथा दो संयुक्त वेंचर बी.ई.एम.एल. मिडवेस्ट लिमिटेड तथा एम.ए.एम सी. इंडिया लिमिटेड है।

कंपनी की नौ उत्पादन इकाईयाँ है जो बेंगलुरू, कोलार गोल्ड फील्डस (के.जी.एफ.), मैसूर तथा पालक्काड में स्थित है। कंपनी ब्रिज लेअर, फील्ड आर्टीलरी ट्रेक्टर, मध्य तथा भारी रिकवरी वाहन, पॉनटून मेन स्ट्रीम ब्रिज़ सिस्टम, क्रैश फायर टेंडर्स, मोबाईल मास्ट वाहन के लिए टेट्रा वाहनों के भिन्न-भिन्न प्रकारों के निर्माण का कार्य करती है। कंपनी हवाई हथियारों को लादने वाली ट्रॉली और वायुयानों के खीचने वाले ट्रैक्टर के अतिरिक्त अभियांत्रिकी माइन प्लॉज, टैंक

ट्रांस्पोर्टेशन ट्रेलर, हथियारों को लादने हेतु प्रयुक्त उपकरण, आर्मड रिकवरी वाहन, मिलरैल कोचेस और वेगन्स की भी आपूर्ति करती है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी खुले और भूमिगत माईन्स दोनो के लिए एक व्यापक और विस्तृत रुप से माइनिंग मशीनरी उपलब्ध कराती है। यह भारतीय रेलवे के लिए इंटिग्रल रेल कोच, ओवरहेड इलेक्ट्रिक इन्स्पेक्शन कारे, डाक गाडियाँ, ए.सी./डी.सी. इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट, डी-ई.एम.यू., यूटीलिटी ट्रैक वाहन (वेहिकल्स), ट्रैक पटरी डालने वाले उपकरण, ब्रॉड- गॉज रेलबस, खजाना वाहन, दूषित निष्कासन इकाई इत्यादि की आपूर्ति भी करती है। कंपनी ने इंटरसिटी आवागमन के लिए हाई टेक मेट्रो ट्रेनों के निर्माण में भी कदम ऱखा है।

वायुयान के क्षेत्र में ई-इंजीनियरिंग सेवाओं की क्षमताओं के उपयोग के लिए कंपनी ने वर्ष 2007 के दौरान अपना एरोस्पेस वर्टिकल आरंभ किया तथा वायुयान निर्माण की सुविधा कंपनी के मैसूर कॉम्पलेक्स में स्थापित की गई।

31 मार्च 2016 तक कंपनी की प्राधिकृत पूंजी ₹100.00 करोड़ रही। कुल प्रदत्त पूजीं ₹41.77 करोड़ रही जिसमें ₹22.50 करोड़ (54.03 प्रतिशत) भारत सरकार द्वारा तथा शेष 45.97 प्रतिशत सार्वजनिक वित्तीय संस्थाओं, विदेशी संस्थओं के निवेशक, बैंकों तथा कर्मचारियों द्वारा धारित की गई। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹3022.74 करोड़ रहा और इसके द्वारा अर्जित लाभ ₹52.65 करोड़ रहा।

3.1 विज्ञान इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (वी.आई.एल)

वर्ष 1984 में बी.ई.एम.एल ने विज्ञान इंडस्ट्रीज लिमिटेड, तरीकेरे, जिला चिकमंगलूर को अधिग्रहीत किया तथा यह एक सहायक कंपनी के रूप में कार्यरत है। वी.आई.एल. एक इस्पात ढलाई फाउन्ड्री है जो बी.ई.एम.एल लिमिटेड की विभिन्न निर्माता इकाईयों हेतु आवश्यक उत्तम गुणवत्ता वाले इस्पात तथा मिश्रधातुओ की आपूर्ति करता है।

31 मार्च 2016 तक कंपनी की अधिकृत पूंजी ₹4.00 करोड़ रही। प्रदत्त पूंजी ₹2.79 करोड़ रही जिसमें ₹2.69 करोड़ (96.56 प्रतिशत) बी.ई.एम. एल द्वारा धारण किया गया था। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹28.71 करोड़ रहा तथा इसके द्वारा अर्जित लाभ ₹0.45 करोड़ रहा।

4. भारत डायनामिक्स लिमिटेड

जुलाई 1970 में स्थापित भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बी.डी.एल.) देश में प्रक्षेपास्त्रों के निर्माण हेतु एक महत्वपूर्ण संस्था है तथा यह रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आती है।

कंपनी का पंजीकृत कार्यालय कंचनबाग, हैदराबाद में है तथा उत्पादन इकाईयाँ कंचनबाग, भानूर (मेडक जिला) तथा विशाखापटनम में है। कंपनी टैंक-रोधी गाईडेड मिसाईल {मिलन 2 टी, कोंकूर

इनवार (3 यू.बी के 20)} आकाश प्रक्षेपास्त्र, उन्नत हल्के भार वाले तारपीडोज़, तारपीडो काउंटर मैजर सिस्टम, काउंटर मैजर डिस्पेसिंग सिस्टम तथा इन्फ्रारेड़ इटरफेरेन्स इंडिकेटर का (उत्पादन) निर्माण करती है।

31 मार्च 2016 तक कंपनी की प्राधिकृत पूंजी ₹125 करोड़ रही। प्रदत्त पूंजी ₹97.75 करोड़ रही जो पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा धारण की गई थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹4344.40 करोड़ रहा तथा इसके द्वारा अर्जित लाभ ₹563.24 करोड़ रहा।

5. मिश्र धातु निगम लिमिटेड

मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मि.धा.नि.) की स्थापना उच्च स्तरीय विशिष्ट धातु तथा मिश्रधातुओं की आपूर्ति के लिए आत्मनिर्भर बनाने हेतु नवम्बर 1973 में हुई जिसकी अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, विमान विज्ञान, इस्पात तथा जल विद्युत ऊर्जा तथा रक्षा के क्षेत्रों में विकास हेतु आवश्यकता थी।

कंपनी का एक पंजीकृत कार्यालय है तथा उसकी उत्पादन इकाई कंचनबाग, हैदराबाद में है जिसका प्रादेशिक कार्यालय नई दिल्ली में हैं तथा इसके दो वाणिज्यिक कार्यालय कोलकता और चेन्नई में है।

कंपनी के पास सुपर-एलॉयस, टाइटेनियम, विशिष्ट उपयोग हेतु आवश्यक इस्पात तथा अन्य आवश्यक धातुओं तथा मिश्रधातुओं के निर्माण हेतु आवश्यक आधुनिक धातुकर्म सुविधाएँ तथा उत्पादन हेतु उच्च श्रेणी के तकनीकी सामर्थ्य है जो कठोर अंर्तराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप वैमानिकी (विमान विज्ञान) रक्षा, परमाणु ऊर्जा विद्युत उत्पादन, रसायन तथा अन्य उन्नत उद्योगों हेतु उपयोग मे लाए गए है।

31 मार्च 2016 तक कंपनी की प्राधिकृत पूंजी ₹200.00 करोड़ थी। प्रदत्त पूँजी ₹187.34 करोड़ थी जो पूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा धारित थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹744.29 करोड़ रहा तथा उसने ₹118.03 करोड़ का अर्जित लाभ प्राप्त किया।

6. माझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड

1934 में स्थापित माझगाँव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एम.डी.एल.) (पूर्व में माझगाँव डाक लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्यरत है। यह युद्धपोत के साथ ऑफ शोर प्लेटफार्म निर्माण करने वाला देश का अग्रणी शिपयार्ड हैं।

कंपनी का निगमित कार्यालय माझगाँव, मुंबई में है तथा इसका प्रादेशिक कार्यालय नई दिल्ली में स्थित है। कंपनी का मुख्य क्रियाकलाप पोतों का निर्माण, उसकी मरम्मत, समस्तरीय ढाँचा निर्माण है, जिसके लिए सुविधाएँ मुंबई और नहावा में स्थित है। कंपनी लगभग 30,000

डी.डब्ल्यू.टी. तक की क्षमता वाले युद्ध पोतों, पनडुब्बियों, व्यापारी पोतों तथा सुव्यवस्थित प्लैट फॉर्म, प्रक्रिया व उत्पादन प्लैटफॉर्म तथा जैक अप रीग्स के निमार्ण में सक्षम है।

31 मार्च 2016 तक कंपनी की प्राधिकृत इक्विटी तथा वरीयता शेयर पूंजी क्रमश: ₹200.00 करोड़ तथा ₹123.72 करोड़ थी प्रदत्त शेयर इक्विटी पूंजी ₹199.20 करोड़ थी जो कि पूर्ण रुप से भारत सरकार द्वारा धारित थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹4885.36 करोड़ रहा तथा कंपनी का आर्जित लाभ ₹637.82 करोड़ था।

7. गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड

कंपनी की स्थापना वर्ष 1884 में हुई। वर्ष 1916 में इसका प्रारंभिक नाम गार्डन रीच वर्क्स था और भारत सरकार के द्वारा अप्रैल 1960 में अधिग्रहीत करने के बाद अभियांत्रिकी उत्पादों की विविधता के कारण इसका नाम 01 जनवरी 1977 को बदलकर गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड कर दिया गया। कंपनी पोतों के निर्माण, उसकी मरम्मत, इंजन के पूर्जों के निर्माण तथा जांच का कार्य करती है।

कंपनी का पंजीकृत प्रधान कार्यालय कोलकाता में है। इसकी छः निर्माता इकाईयाँ है जिनमे से पाँच इकाईयाँ कोलकाता, पश्चिम बंगाल तथा उसके आसपास में है तथा एक इकाई राँची, झारखंड में है।

31 मार्च 2016 को कंपनी की प्राधिकृत पूंजी ₹125.00 करोड़ थी। प्रदत्त पूँजी ₹123.84 करोड़ थी जो पूर्णरूप से भारत सरकार द्वारा धारित थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹1881.77 करोड़ था तथा कंपनी का अर्जित लाभ ₹160.72 करोड़ था।

8. गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जी.एस.एल) 1957 में स्थापित हुई जो भारत के पश्चिम तट का एक अग्रणी आई.एस.ओ. 9001-2008 प्रमाणित शिपयार्ड है और भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करती है।

कंपनी का पंजीकृत कार्यालय वास्को डी गामा, गोवा में स्थित है। कंपनी पोत निर्माण, उसकी मरम्मत, सामान्य अभियांत्रिकी सेवाएँ तथा अतिरिक्त पुर्जों की आपूर्ति का कार्य करती है।

31 मार्च 2016 को कंपनी की प्राधिकृत पूंजी ₹40.00 करोड़ थी। प्रदत्त पूंजी ₹29.10 करोड़ थी जिसका ₹14.87 करोड़ (51.09 प्रतिशत) भारत सरकार द्वारा धारित है तथा ₹13.74 करोड़ (47.21 प्रतिशत) माझगाव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा धारित है। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹786.37 करोड़ था तथा कंपनी की अर्जित आय ₹61.89 करोड़ थी।

9. हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड

1951 में स्थापित हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एच.एस.एल) पोतों के निर्माण तथा उनकी मरम्मत के कार्य में कार्यरत है। इस कम्पनी का प्रशासनिक नियंत्रण जोकि पूर्व में शिपिंग मंत्रालय के अधीन था उसे फरवरी 2010 के दौरान रक्षा मंत्रालय के अधीन स्थानांतरित कर दिया गया।

कंपनी का पंजीकृत कार्यालय तथा उत्पादन इकाई गांधीग्राम, विशाखापट्टनम में स्थित है।

31 मार्च 2016 को कंपनी की प्राधिकृत पूंजी ₹304.00 करोड़ थी। प्रदत्त पूंजी ₹301.99 करोड़ थी जो भारत सरकार द्वारा पूर्ण रुप से धारित थी। वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी का कुल राजस्व ₹648.56 करोड़ था तथा कंपनी द्वारा अर्जित लाभ ₹19.00 करोड़ था। 31 मार्च 2016 को कंपनी की संचित हानि ₹1306.37 करोड़ थी।

1.5 ब्याज से आय

डी.पी.एस.यू के लिए रक्षा मंत्रालय एक मुख्य ग्राहक था। छः डी.पी.एस.यू के अन्य आयों के विश्लेषण ने यह बताया कि इन सभी डी.पी.एस. यू के राजस्व का मुख्य स्रोत ब्याज से आय है, जिसमें ग्राहकों से प्राप्त अत्यधिक अग्रिम राशि भी समाहित है। छः डी.पी.एस. यू के सम्बन्ध में 31 मार्च 2016 को समाप्त 3 वर्षों के दौरान 31 मार्च को ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम/प्रगति भुगतानों तथा बकायों, ब्याज आय, कर के उपरान्त लाभ तथा ब्याज आय पर कर के उपरान्त लाभ का प्रतिशत आदि का ब्यौरा नीचे तालिकाबद्ध किया गया है:

तालिका - 1.1

(राशि ₹ करोड़ में)

डी.पी.एस.यू. का नाम	ब्यौरे	2013-14	2014-15	2015-16
हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड	31 मार्च तक ग्राहको से प्राप्त अग्रिम/ प्रगति भुगतान तथा बकाये	9191.83	8024.56	7501.42
	अवधि जमा	16931.53	17200.65	12969.35
	ब्याज से आय (अवधि जमा से प्राप्त)	2065.35	1630.92	1548.57
	कर के बाद प्राप्त लाभ	2692.52	2388.05	1653.77
	ब्याज आय का कर से प्राप्त लाभ से प्रतिशत	76.71	68.30	93.64
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	31 मार्च तक ग्राहको से प्राप्त अग्रिम/ प्रगति भुगतान तथा बकाये	5272.68	4965.84	6311.37
	अवधि जमा	1343.96	1601.11	2018.31
	ब्याज से आय (अवधि जमा से प्राप्त)	413.66	419.74	458.51
	कर के बाद लाभ का प्रतिशत	931.62	1167.24	1357.67
	ब्याज आय का कर से प्राप्त लाभ से प्रतिशत	44.40	35.96	33.77

डी.पी.एस.यू. का नाम	ब्यौरे	2013-14	2014-15	2015-16
भारत डायनामिक्स लिमिटेड	31 मार्च तक ग्राहको से प्राप्त अग्रिम/ प्रगति भुगतान तथा बकाये	5765.78	5487.39	5474.61
	अवधि जमा	4151.00	3632.00	3247.12
	ब्याज से आय(अवधि जमा से प्राप्त)	411.85	384.98	301.16
	कर के बाद लाभ का प्रतिशत	345.51	418.57	563.24
	ब्याज आय का कर से प्राप्त लाभ से प्रतिशत	119.20	91.98	53.47
माझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड	31 मार्च तक ग्राहको से प्राप्त अग्रिम/ प्रगति भुगतान तथा बकाये	24419.21	27021.03	28767.78
	अवधि जमा	5237.66	7589.55	8736.41
	ब्याज से आय(अवधि जाम से प्राप्त)	517.81	515.89	675.57
	कर के बाद लाभ का प्रतिशत	397.61	491.59	637.82
	ब्याज आय का कर से प्राप्त लाभ से प्रतिशत	130.23	104.94	105.92
गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड	31 मार्च तक ग्राहको से प्राप्त अग्रिम/ प्रगति भुगतान तथा बकाये	4891.95	5536.74	5555.37
	अवधि जमा	432.00	1965.00	2455.78
	ब्याज से आय(अवधि जमा से प्राप्त)	82.23	33.17	168.68
	कर के बाद लाभ का प्रतिशत	121.46	43.45	160.72
	ब्याज आय का कर से प्राप्त लाभ से प्रतिशत	67.70	76.34	104.95
गोवा शिपयार्ड लिमिटेड	31 मार्च तक ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम/ प्रगति भुगतान तथा बकाये	405.17	475.64	473.55
	अवधि जमा	409.44	519.10	222.65
	ब्याज से आय(अवधि जमा से प्राप्त)	38.62	39.10	39.00
	कर के बाद लाभ का प्रतिशत	(-) 61.09	78.24	61.89
	ब्याज आय का कर से प्राप्त लाभ से प्रतिशत	-	49.97	63.02

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि छः डी.पी.एस.यू ने रक्षा मंत्रालय से भारी अग्रिम प्राप्त की है तथा तीनो वर्षो के दौरान कर के उपरान्त प्राप्त लाभ का मुख्य अंश ब्याज से प्राप्त हुआ है।